Please read this msg carefully

7 Biggest brain damaging habits

Brain Stroke

1: Missing breakfast
2: Sleeping late
3: High sugar consumption
4: More sleeping specially at morning
5: Eating meal while watching TV or computer
6: Wearing Cap/scarf or socks while sleeping
7: Habit of blocking/Stoping Urine

Don't Just ReadForward to whom you careAs I care for U

World Health Organization

सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 8 अंक : 313 | इंदौर, मंगलवार 23 मई, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

Headline

1. **2000 Rupee Note**: आज से बदले जा रहे 2000 के नोट, RBI ने कहा- न तो घबराएं, न जल्दबाजी करें
2. **Haryana**: ट्रक में यात्रा करते नजर आए राहुल गांधी, अंबाला में मंजी साहिब गुरुद्वारे में टेका माथा
3. **Kerala**: मंदिरों में अब नहीं लगेंगी आरएसएस की शाखाएं! केरल के त्रावणकोर देवास्वम बोर्ड ने जारी किया सर्कुलर
4. **Karnataka**: अंडरपास में इंजीनियर के डूबने के बाद अब ड्रेनेज में बहने से युवक की मौत; पांच किमी दूर मिला शव
5. **Maharashtra**: महाराष्ट्र में दो भीषण सड़क हादसों में 12 की मौत, कई घायल

● कमलनाथ का बड़ा हमला

मध्यप्रदेश में 18 महीने में 1800 घोटाले

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

अनूपपुर। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सोमवार को शिवराज सरकार पर बड़ा हमला बोला। कमलनाथ ने कहा कि प्रदेश की तस्वीर सबके सामने हैं। चौपट राजा, चौपट सरकार, चौपट मध्यप्रदेश, चौपट रोजगार, चौपट भर्ती व्यवस्था, चौपट कृषि व्यवस्था, चौपट शिक्षा व्यवस्था, चौपट स्वास्थ्य व्यवस्था, चौपट नरसिंह कालेजेस, चौपट उद्योग धंधे, चौपट अर्थ व्यवस्था, चौपट नदियां, चौपट कानून व्यवस्था। यह आज की तस्वीर हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ सोमवार को सुबह अनूपुर में थे। वे मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 के सिलसिले में दौरे पर हैं। कमलनाथ ने कहा कि अनूपुर जैसा छोटा और धनी जिला है। अनूपुर का धन का कितना उपयोग अनूपुर में होता है। इसका क्या प्रतिशत है, अनूपुर का धन सब्सिडराइज्ड करता है प्रदेश को। और अनूपुर वंचित रह जाता है। नर्मदा में अवैध खनन पर भी कमलनाथ ने कहा कि यह पूरा प्रदेश देख रहा है। 40 करोड़ का घोटाला हुआ है। 5 माह बचे हैं चुनाव में, मुझे विश्वास है कि एमपी के लोग मध्यप्रदेश का भविष्य सुरक्षित रखेंगे।

● योजना और घोषणा की मशीन

कमलनाथ ने कहा कि शिवराजसिंह को 18 साल बाद बहने याद आ रही हैं, किसान याद आ रहे हैं, कर्मचारी वर्ग याद आ रहे हैं और अपना पाप धोने के लिए यह योजनाओं की घोषणा कर रहे हैं। योजना की मशीन, घोषणा की मशीन, झूठ की मशीन और शिलान्यास की मशीन, यह शिवराज जी का डेली कार्यक्रम हैं। आज का मतदाता समझदार है।

● 84 के दंगों पर बोले कमलनाथ-मेरे खिलाफ कोई एफआईआर नहीं

मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि 1984 में सिख विरोधी दंगे हुए। मेरे खिलाफ 84 क्या 85, 86 में भी कार्रवाई नहीं हुई। वीडी शर्मा खुद के काले कारनामे छुपाने के लिए ये बातें कर रहे हैं। मेरे खिलाफ इनके पास कोई सबूत नहीं है। वीडी शर्मा ने एक दिन पहले रविवार को कटनी में कहा था कि कमलनाथ के हाथ 84 के दंगों के खून से सने हुए हैं। उन पर एजेंसियां जल्द ही आरोप तय करेंगी।

कमलनाथ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के पास मेरे बारे में कहने

के लिए कुछ बचा नहीं है। मेरी 45 साल की राजनीति में मुझ पर किसी ने उंगली नहीं उठाई। 1984 में दंगे हुए। वहां जो भी घटना हुई, मेरे खिलाफ कोई एफआईआर नहीं हुई। 84 क्या 85, 86 में भी मेरे पर एफआईआर नहीं हुई। इसके बाद बीजेपी ने एक आयोग भी बनाया था। उस आयोग ने भी कहा है कि मैं बेकसूर हूं। तब किसी ने उंगली नहीं उठाई, कोई एफआईआर नहीं हुई। वीडी शर्मा ने जो दो नंबर के काम किए हैं, उन पर पर्दा डालने के लिए वो इस तरह की बात कर रहे हैं।

वीडी शर्मा ने कहा था कमलनाथ को होगी जेल

वीडी शर्मा ने कहा था कि 84 के सिख दंगों में कई हजार लोगों की नृशंस हत्या कर दी गई थी। इस दंगे की जांच के लिए एक कमीशन बना था। दंगे के आरोप में सज्जन कुमार जेल के अंदर हैं, इन पर दंगे भड़काने का आरोप था। दूसरे जगदीश टाइटलर, जो लोग नेता कम गुंडों की भूमिका में ज्यादा हैं। सीबीआई ने शनिवार को उनके खिलाफ चार्जशीट पेश की है, जल्द ही जेल में होंगे। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का हाथ 84 के दंगों के खून में सने होने का आरोप है। सीबीआई व अन्य एजेंसियां काम कर रही हैं, जल्द उनके ऊपर आरोप तय होंगे।

हमने वोटों, बीजेपी ने नोटों से बनाई सरकार

अनूपपुर पहुंचे कमलनाथ ने कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि 2018 के चुनाव में हमने वोटों से सरकार बनाई थी। भारतीय जनता पार्टी ने 2020 में नोटों से सरकार बना ली। मैं मुख्यमंत्री था। मैं भी सौदा कर सकता था। मध्य प्रदेश की पहचान सौदे की राजनीति से नहीं बनाना चाहता था। मैं कुर्सी के लिए अनैतिक समझौता नहीं करना चाहता। 15 महीनों में शिवराज सिंह ने मुझे ऐसा प्रदेश सौंपा था, जो बेरोजगारी में नंबर वन, आत्महत्या में नंबर वन, महिलाओं पर अत्याचार पर नंबर वन था। कमलनाथ ने कहा कि हमने 15 महीने की सरकार में अपनी नीति एवं नियत का परिचय दिया और शिवराज सिंह पूछते हैं कमलनाथ ने 15 महीनों में क्या किया? शिवराज जी किसी भी मंच पर आ जाइए, उधर खड़े हो जाइए, मध्य प्रदेश की जनता मेरी गवाह हैं। आप 18 साल का हिसाब दीजिए। मैं 15 महीने का हिसाब देता हूं। कृषि क्षेत्र में हमने कर्जा माफी की शुरूआत की। हमने 27 लाख किसानों का कर्जा माफ किया। अनूपपुर में लगभग 22 हजार किसानों का कर्जा माफ हुआ।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत अमलतास परिसर बनाए गए आवासों का निरीक्षण करने पहुंची निगमायुक्त

ठेकेदार की लापरवाही उजागर, नहीं डाली पानी की लाइन, नोटिस देकर मांगा जवाब

- न्यू गौरी नगर में कचरा एवं गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध स्पॉट करने के निर्देश
- कुलकर्णी नगर क्षेत्र में भी लोगों से पानी की समस्या को जाना

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। नायता मुंडला स्थित नए आरटीओ के पास प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अमलताश परिसर में फ्लैट बनाए गए हैं। इनमें लोग रहने आ गए, किंतु उन्हें पेयजल समस्या का सामना करना पड़ रहा है। कारण ठेकेदार एजेंसी ने पेयजल लाइन का काम शुरू करने के बाद अभी तक पूरा नहीं किया है, जबकि ठेका लिए 3 वर्ष हो गए हैं। अभी तक पेयजल लाइन न डालने की पोल सुबह उस समय खुल गई, जब निगमायुक्त अमलताश परिसर का निरीक्षण करने पहुंचीं।

तुम आते तो लोग मुझे नहीं बताते पानी की समस्या

सोमवार सुबह शहर की सफाई व्यवस्था देखने निगमायुक्त सिंह निकलीं। उन्होंने परदेशीपुरा, न्यू गौरी नगर, आइटीआए रोड, कुलकर्णी नगर, क्लर्क कॉलोनी, सफेद मंदिर रोड का निरीक्षण किया। न्यू गौरी नगर के लोगों ने निगमायुक्त सिंह से शिकायत की कि नर्मदा लाइन होने के बावजूद पानी नहीं आता है। इस पर उन्होंने संबंधित सब इंजीनियर से पूछा कि मैं यहां आई हूं तो लोग मुझे बता रहे हैं कि पानी नहीं आता है। क्या आप यहां नहीं आते, अगर आप आते तो इनकी समस्या का समाधान हो जाता। उन्होंने न्यू गौरी नगर एवं अन्य क्षेत्रों में पानी क्यों नहीं आ रहा है? इसके लिए टीम लगाकर चेक कराने और पानी की समस्या का समाधान शीघ्र करने के निर्देश दिए । न्यू गौरी नगर में कचरा एवं गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध स्पॉट करने के संबंधित को निर्देश दिए गए। उन्होंने कुलकर्णी नगर क्षेत्र में भी लोगों से पानी की समस्या को जाना।

लाइन न डलने पर उन्होंने ठेकदार एजेंसी बंसल को नोटिस देकर कार्रवाई करने के आदेश जिम्मेदार अफसरों को दिए।

अमलताश परिसर में पेयजल की समस्या को देखते हुए निगमायुक्त हर्षिका सिंह ने साथ में चल रहे जलप्रदाय विभाग और प्रधानमंत्री आवास योजना के अफसरों की क्लास लगा दी। साथ ही सवाल किया कि यहां पर पेयजल लाइन का काम कब से चल रहा है। इस पर अफसरों ने जवाब दिया कि पेयजल लाइन का काम बंसल एजेंसी के माध्यम से 3 वर्ष पहले शुरू किया था, किंतु काम अभी तक पूरा नहीं हुआ। इस पर निगमायुक्त सिंह नाराज हो गई और कहा कि क्या 10 वर्षों में पानी की व्यवस्था करोगे। साथ ही अफसरों को निर्देशित किया गया कि जब तक नर्मदा लाइन डालने का कार्य पूर्ण नहीं होता है, तब तक टैंकर चलाने के साथ नया ट्यूबवेल कराने का अफसरों से कहा गया। निगमायुक्त सिंह ने अमलतास परिसर के संपर्क रोड निर्माण के कार्यों को आगामी दो-तीन दिन में शुरू करने के निर्देश दिए। यहां पर सीवर की व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए एसटीपी प्लांट निर्माण के संबंध में भी कार्यपालन यंत्री यंत्री सुनील गुप्ता को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

आरडीएसएस के तहत इंदौर क्षेत्र में होंगे 175 करोड़ के कार्य

- विद्युत वितरण व्यवस्था का किया जाएगा सुदृढ़ीकरण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम(आरडीएसएस) के तहत इंदौर शहर और इंदौर ग्रामीण क्षेत्र में दो वर्षों में कुल 175 करोड़ के कार्य कराए जाएंगे। नए कार्यों से आगामी दस वर्षों की बिजली वितरण व्यवस्था सुदृढ़ीकृत होगी।

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने बताया कि नए ग्रिड, क्षमता वृद्धि, नए वितरण ट्रांसफार्मर, अंडर ग्राउंड केबल, केपेसिटर बैंक, मिक्स फीडर का विभक्तिकरण, पुराने कंडक्टर (तारों) की बजाए ज्यादा क्षमता के नए तार लगाने का कार्य किया जाएगा। श्री तोमर ने बताया कि खजराना क्षेत्र में अंडर ग्राउंड केबल डालने की योजना को मंजूरी दी गई। 35 ग्रिडों पर केपेसिटर बैंक लगाए जाएंगे। 33/11 केवी के नए 13 ग्रिड भी तैयार किए जाएंगे, साथ ही शहर एवं ग्रामीण इलाकों में नए वितरण ट्रांसफार्मर भी स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 1400 किमी लाइनों के पुराने तार हटाकर नए तार(कंडक्टर) लगाए जाएंगे, ये तार ज्यादा क्षमता के होंगे। ग्रामीण क्षेत्र के मिक्स फीडरों का विभक्तिकरण किया जाएगा। अब कृषि की बिजली के लिए शत प्रतिशत पृथक फीडर होंगे, अन्य उपयोग के लिए अलग से फीडर होंगे। प्रबंध निदेशक ने बताया कि इंदौर क्षेत्र के इस महत्वपूर्ण योजना से करीब चालीस लाख की आबादी के लिए उच्च गुणवत्ता के साथ आगामी दस वर्षों तक बिजली मिलेगी।

अप्रैल की बारिश से मिली नमी से बन रहा लोकल सिस्टम, इसलिए हो रही बारिश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शहर में विगत कुछ दिनों से सुबह से लेकर दोपहर तक अच्छी खासी गर्मी पड़ रही है, लेकिन शाम को अचानक मौसम का रुख बदलकर बारिश में तब्दील हो जाता है। पिछले कुछ दिनों से शाम के समय शहर के अलग अलग हिस्सों में तेज बारिश हो रही है। इस संबंध में मौसम विशेषज्ञों का कहना है की प्रदेश के कई हिस्सों में अप्रैल में बाारिश हुई थी। जलस्त्रोतों के वाष्पीकरण,तेज हवा और नमी के कारण स्थानीय सिस्टम तैयार हो रहे है। इस तरह का मौसम अगले कुछ दिनों तक देखने को मिल सकता है।

दोपहर में तेज गर्मी, शाम को अचानक तेज हवाएं और फिर झमाझम बारिश... मौसम के इस मिजाज से शहरवासियों का पहले कभी सामना नहीं हुआ। पहले कभी मई इतना भीगा भी नहीं है। पल में माशा पल में तौला हो रहे इस मौसम की वजह इस बार न अरब सागर की खाड़ी की नमी है और न ही कोई विक्षोभ है। मौसम वैज्ञानिक मई में हो रही बारिश का सबसे बड़ा कारण अप्रैल में हुई झमाझम बारिश से वातावरण में छाई नमी मान रहे है।

दरअसल सवा सौ साल बाद इंदौर में अप्रैल में झमाझम बारिश हुई। स्थानीय जलस्त्रोतों में पानी आ गया। जमीन में भी नमी बनी हुई है। अब मई में जब धरती तप रही है तो जलस्त्रोतों का वाष्पीकरण तेजी से हो रहा है। स्थानीय सिस्टम बनाने में हवाएं मददगार साबित हो रही है और कम ऊंचाई पर काले बादल छा रहे है, जो बाारिश की वजह बन रहे है।

शाम के समय होती रहेगी बारिश

बताया गया है की प्रदेश के कई हिस्सों में अप्रैल में बाारिश हुई थी। जलस्त्रोतों के वाष्पीकरण,तेज हवा और नमी के कारण दस से 12 किलोमीटर के दायर में स्थानीय सिस्टम तैयार हो रहे है। इस तरह का मौसम अगले कुछ दिनों तक देखने को मिल सकता है और बारिश शाम के समय होती रहेगी। इस तरह के मौसम के कारण तापमान भी ज्यादा नहीं बढ़ेगा, हालांकि गर्मी से राहत नहीं मिलेगी।

दिन का तापमान 40 डिग्री के पार

जानकारी के मुताबिक सोमवार शाम शहर में भले ही बारिश हुई, लेकिन दिन में गर्मी से कोई राहत नहीं मिली। रविवार को दिन का तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से एक डिग्री ज्यादा था। हवा की गति भी 20 से 25 किलोमीटर प्रति घंटा रही। शहर में शनिवार रात को भी बारिश हुई थी। इसका कारण न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज हुई। शनिवार रात का तापमान 22.2 रहा, जो सामान्य से तीन डिग्री कम रहा।

वीआइपी नंबर खरीदने में इंदौर पहले और भोपाल दूसरे नंबर पर

9 महीने में प्रदेश में 3978 वीआइपी नंबर बिके, सात करोड़ से ज्यादा का मिला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। प्रदेश में वाहनों के वीआइपीई नंबर खरीदने में इंदौर के लोग सबसे ज्यादा रुचि दिखा रहे हैं, जबकि दूसरे नंबर पर भोपाल, ग्वालियर तीसरे और जबलपुर चौथे स्थान पर है। मप्र परिवहन विभाग ने एक अगस्त-2022 से मप्र में वीआइपी नंबर की सीरीज की नीलाम शुरू की थी। करीब 9 माह में प्रदेश में 3978 वीआइपी नंबर नीलाम हुए और परिवहन विभाग को 7,44,2500 रुपए का राजस्व हासिल हुआ। इंदौर में सबसे ज्यादा 1699 वीआइपी नंबर नीलाम हुए, जबकि राजगढ़ में अब तक सिर्फ एक वीआइपी नंबर नीलाम हुआ। इन नंबरों को हासिल करने के लिए परिवहन विभाग की वेबसाइट पर लोगों ने नीलामी भी बोली लगाई। सबसे ज्यादा पंसदीदा नंबरों में 0007, 0001, 5555 आदि शामिल हैं।

ऐसे चुन सकेंगे वीआइपी नंबर

0007, 0001, 1111 जैसे नंबरों को फैंसी नंबर कहा जाता है। कार या बाइक के लिए मनचाहा नंबर पाने के लिए परिवहन विभाग की साइट पर रजिस्ट्रेशन कराना होता है। इसके बाद वीआइपी नंबर्स की बोली लगती है। अलग-अलग राज्यों के लिए अलग-अलग नबंर्स के विकल्प दिए जाते हैं। नंबर के अनुसार परिवहन विभाग को पैसा चुकाना होता है। कार या बाइक का नंबर जितना फैंसी होता है, उसकी कीमत उतनी ज्यादा होती है। यदि एक नंबर के लिए ज्यादा लोग आवेदन करते हैं तो फिर ऑनलाइन बोली लगती है।

7 करोड़ से अधिक मिला राजस्व

वीआइपी नंबरों को लेने के लिए प्रदेश में वाहन मालिकों में रुचि बढ़ी है। कई नंबर ऐसे हैं जिनको नीलामी के लिए ऑन लाइन बोली भी लगाई गई है। नंबर के लिए अलग-अलग राशि तय की गई है। प्रदेश में करीब 9 महीने में सात करोड़ से अधिक का राजस्व इन वीआइपी नंबरों की नीलामी से हासिल हुआ है। आगे भी बेहतर राजस्व हासिल होने की संभावना है। पिछले वित्तीय वर्ष में सबसे ज्यादा राजस्व हासिल करने का रिकॉर्ड बनाया था।

- अरविंद कुमार सक्सेना, अपर परिवहन आयुक्त प्रवर्तन, मप्र शासन

कैंसर पीड़ितों के लिए 1 लाख 11 हजार की राशि का चेक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। कैंसर पीड़ित मरीजों के लिए किसी संजीवनी बूटी से कम नही है कीमोथेरपी,लेकिन यह चिकित्सा महंगी होने की वजह से मध्यम वर्ग के मरीज तक इसका खर्च नही वहन कर पाते। ऐसे में अगर उम्मीद संस्था कम पैसों में यह चिकित्सा सभी को आसानी से उपलब्ध करा रही है तो यह तारीफे काबिल है। यह बात एडिशनल कमिश्नर सिद्धार्थ जैन ने रॉबर्ट नर्सिंग होम में उम्मीद संस्था द्वारा संचालित दे केयर कीमोथेरेपी सेंटर में कही। अतिथि एडिशनल कमिश्नर आकाश सिंघई ने कहा कि ऐसी जगह पर जाने से सुकून मिलता है, जहां निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा की जाती है। इस मौके पर श्वेतांबर जैन महासंघ ने दरिया दिली दिखाते हुए संस्था उम्मीद के प्रमुख कैंसर सर्जन डॉ. गौरव खंडेलवाल को 1 लाख 11 हजार 111 रुपए की राशि का चेक प्रदान किया।इस मौके पर महासंघ के अध्यक्ष कैलाश नाहर ,महासचिव विमल तात ड सहित पूर्व कुलपति डॉ. नरेंद्र धाकड़ विशेष रूप से मौजूद थे। यह जानकारी महासंघ के मीडिया प्रभारी योगेंद्र सांड ने दी। अतिथि स्वागत अनोखीलाल जैन ,खूबचंद कटारिया ,अनुरोध जैन ने किया। संचालन क्या अर्पण जैन ने आभार माना लविश बुरुड ने।

इंदौर की तरह बाली द्वीप को भी स्वच्छता में अग्रणी रहने का संदेश दिया इंदौरियों ने

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। अ.भा. अग्रवाल महासभा के सामाजिक एवं धार्मिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरि अग्रवाल एवं उनके 6 अन्य साथियों ने हाल ही में इंडोनेशिया के बाली द्वीप की यात्रा की और वहां देश में स्वच्छता में सबसे अग्रणी शहर अपने इंदौर की स्वच्छता का सांकेतिक संदेश भी दिया। बाली द्वीप की यात्रा से लौटे हरि अग्रवाल ने बताया कि बाली द्वीप संभवतः दुनिया का पहला ऐसा शहर है, जहां भगवान गणेश, राम, शिव, ब्रह्मा, विष्णु, महेश जैसे देवों को घर-घर में आराध्य देव के रूप में न केवल स्थापित किया गया है, बल्कि उनकी नियमित पूजा-अर्चना भी की जाती है। लगभग सभी घरों में एक थाली में पुष्प, प्रसाद, पूजा-अर्चना की सामग्री और भोग लगाने के लिए उचित मिठाई के साथ ही अगरबत्ती और अन्य सामग्री सजी-सजाई देखने को मिलती है। उनके साथ इस यात्रा में इंदौर पेपर ट्रेडर्स एसोसिएशन के राजेन्द्र मित्तल, अनुपम अग्रवाल, सतीश गोयल, मनोज भैया, स्वदेश शर्मा, ब्रजमोहन गुप्ता सहित अनेक व्यवसायी एवं उद्योगपति मित्र भी थे, जिन्होंने बाली द्वीप में नौका विहार के पूर्व सफाई की प्रतीक पतवार को एक साथ हाथों में थामकर वहां के नाविकों एवं नागरिकों को इंदौर की तरह स्वच्छता में आगे रहने का संदेश दिया।

चाय के 21हजार कुल्हड़ों से बनाई महाराणा प्रताप की तस्वीर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। 21 हजार कुल्हड़ों को रीयूज कर महाराणा प्रताप का सबसे बड़ा पोट्रेट बनाया गया है। इसे इंद्रपुरी में शिव मंदिर के पास बनाया है। करीब 1900 वर्गफीट की तस्वीर को लोग इसे अगले दो दिन तक देख सकेंगे।

युवाओं ने बताया आसपास के कैफे से इन कुल्हड़ को इकट्ठा किया गया। दावा किया है कि महाराणा प्रताप की यह मिट्टी के कुल्हड़ से बनी विश्व की सबसे बड़ी तस्वीर है। इसे बनाने में करीब 15 घंटे का समय लगा और 15 लोगों की टीम ने इसे बनाया।

● ऐसे आया आइडिया

आर्ट गैलेक्सी इंदौर के अतुल सिंह पटेल ने बताया कि कैफे वाले कुल्हड़ को यूज करके फेंक देते हैं। हमने सोचा कि ग्रीन इंदौर के लिए री-साइकिल करके कुछ बनाया जा सकता है। आसपास के कैफे से हमने ये कुल्हड़ इकट्ठा किए और उनको साफ किया और फिर उसे री-यूज किया। ये कलाकृति 24 मई तक लोगों के देखने के लिए रहेगी। इसके बाद इसे किसी नदी किनारे या घर की मिट्?टी में रखेंगे। करीब 21 हजार कुल्हड़ का यूज पोट्रेट बनाने के लिए किया गया है।

अतुल ने बताया कि वो शहर के कई कैफे में अक्सर जाते रहते हैं। साथ ही इंदौर मेयर पुष्यमित्र भार्गव के एक प्रोग्राम में भी वो गए थे, जिसमें ग्रीन इंदौर को लेकर चर्चा हुई थी। वहां से उन्हें आइडिया आया की कैफे में जिन कुल्हड़ को फेंक दिया जाता है, उनका उपयोग करके कुछ बनाया जा सकता है। करीब पंद्रह से बीस दिन का समय कुल्हड़ को इकट्ठा करने में लगा। दो कैफे वालों को इसके लिए पूर्व में बताया गया था। उनकी मदद से ही यूज किए गए कुल्हड़ मिले। जिन्हें बाइक और ऑटो की मदद से रविवार को लगाया गया और पोट्रेट बनाया गया।

प्रदेश की युवा नीति में मीडिया को भी उचित स्थान : डॉ. निशांत खरे

पत्रकारिता पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों का सम्मान समारोह

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

11111111111111111

इंदौर। म.प्र. युवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. निशांत खरे ने कहा कि प्रदेश की नई युवा नीति में मीडियाकर्मियों के लिये भी यथोचित प्रावधान किये जा रहे हैं। उन्होंने भावी मीडियाकर्मियों का आव्हान किया कि वे अपनी ताकत को पहचाने और समयानुकूल परिवर्तन के लिये तैयार रहे।

डॉ. खरे स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. द्वारा पत्रकारिता पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के सम्मान समारोह श्नए कदमश् को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार डॉ. प्रकाश हिंदुस्तानी ने कहा कि आज भी पत्रकारिता सबसे पवित्र पेशे में शुमार है जिसके माध्यम से आम जनता के दुःख तकलीफों को उजागर किया जाता है। आजादी के दौर में भी सभी प्रमुख क्रांतिकारियों और देशभक्तों ने पत्रकारिता को अलख जगाने का माध्यम बनाया। यह दायित्व आज भी मीडिया निभा रहा है। डॉ. हिंदुस्तानी ने भावी पत्रकारों का आव्हान किया कि वे विषय विशेषज्ञ बनें। कार्यक्रम में डॉ. अपूर्व त्रिवेदी, डॉ. दीपमाला गुप्ता, डॉ. सौरभ सोनी एवं वंदना जोशी विशेष रूप से उपस्थित थे। अतिथियों ने भारतीय पत्रकारिता महोत्सव में सहभागिता करने वाले स्कूल ऑफ जर्नलिजम एण्ड मास्क कम्प्यूनिकेशन, श्री जैन दिवाकर कॉलेज, गवर्मेंट आट्र्स एण्ड कॉमर्स कॉलेज, रैनेसा यूनिवर्सिटी एवं माया एकेडमी ऑफ एडवांस क्रिएटीविटी के दो सौ विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह और पुस्तकें भेंट की। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत रचना जौहरी, कीर्ति राणा, रवि चावला, मीना राणा शाह, अभिषेक सिसौदिया एवं सुदेश गुप्ता ने किया। कार्यक्रम की जानकारी अध्यक्ष प्रवीण कुमार खारीवाल ने दी। स्मृति चिन्ह मुकेश भार्गव, राजवीर सिंह होरा, प्रवीण धनोतिया एवं सत्यजीत शिवणेकर ने भेंट किये। सचिव आकाश चौकसे ने आभार व्यक्त किया।

सीएम बोले- आतंकवादियों को समाप्त करना हमारा धर्म

लव जिहाद, धर्मांतरण की ओर ले जाने वाले छोड़े नहीं जाएंगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, आज कई षड्यंत्रकारी इस देश और सनातन संस्कृति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले दिनों ऐसा संगठन पकड़ा गया, जो लव जिहाद, फिर धर्मांतरण और बाद में आतंकवाद की ओर ले जाने का काम करता था। सभी पकड़ लिए गए। जमात-ए-मुजाहिदीन के आतंकवादी पकड़े गए। राणा प्रताप के चरणों में प्रणाम कर संकल्प लेता हूं कि ऐसे लोग किसी भी कीमत पर छोड़े नहीं जाएंगे। हम केवल आतंकवाद के खिलाफ हैं। आतंकवादियों से लड़ना, उनको समाप्त करना, यह हमारा धर्म है। हम ऐसी सारी व्यवस्थाएं बनाएंगे।

मुख्यमंत्री सोमवार को भोपाल के लाल परेड ग्राउंड के पास मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में महाराणा प्रताप जयंती समारोह में शामिल हुए। प्रदेशभर से समाज के लोग जुटे। मुख्यमंत्री को महाराणा प्रताप के वंशज डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने हल्दी घाटी की मिट्टी भेंट की। सीएम ने कहा, हल्दी घाटी की माटी से पवित्र हिंदुस्तान में और कुछ नहीं। ये माटी भारत के शौर्य और वीरता की प्रतीक है। इसका मान, सम्मान कभी जाने नहीं दूंगा, जान भले चली जाए। ये माटी महाराणा प्रताप के शौर्य की याद दिलाएगी, कहेगी- सही दिशा में काम कर।

भोपाल में बनेगा महाराणा प्रताप का स्मारक, वीरता पढ़ाएंगे-

मुख्यमंत्री ने मंच से घोषणा करते हुए कहा- महाराणा प्रताप को आने वाली पीढ़ियां पढ़ पाएं, इसके लिए मध्यप्रदेश की पाठ्य पुस्तकों में उनकी वीरताओं की कहानियां पढ़ाई जाएंगी। भोपाल में महाराणा प्रताप, चेतक और उनके दूसरे सहयोगियों का भव्य स्मारक बनाया जाएगा। सभी के जीवन-दर्शन को चित्रित किया जाएगा। कई कल्याणकारी काम होते रहें, इसलिए राणा कल्याण बोर्ड का गठन भी हम करेंगे। बोर्ड में मार्गदर्शन के लिए महाराणा प्रताप के वंशज से स्वीकृति मांगी।

केंद्रीय मंत्री तोमर बोले- शिवराज ने घोषणाएं करने में कंजूसी नहीं की

दोपहर 1 बजे मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में कार्यक्रम शुरू हुआ। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा, शिवराज ने घोषणाएं करने में कभी कंजूसी नहीं की। लेकिन, इतिहास इस बात का भी साक्षी है कि बाकी जो मुख्यमंत्री हुए और घोषणा करते थे, उसमें से 10% पर अमल हुआ। शिवराज ने 100 घोषणाएं कीं, तो 95% पर अमल हुआ। महाराणा प्रताप के वंशज डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा, मेवाड़ और इस देश का पर्यायवाची हमारा स्वाभिमान है। इसे सम्मान देने का काम मध्यप्रदेश में हो रहा है। उम्मीद करता हूं कि अन्य प्रदेश इस सीख को लेकर आगे बढ़ेंगे। पर्यटन मंत्री उषा ठाकुर ने कहा, मां जयवंता ने जो प्रतिज्ञा प्रताप जी की रग-रग में समाई थी, आज हम भी इस प्रतिज्ञा को लें। कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री अरविंद भदौरिया, कृषि मंत्री कमल पटेल, उच्च शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, भोपाल सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर व अन्य अतिथि मौजूद रहे।

आवासीय पट्टे का किसने किया दुरुपयोग

● सर्वे करके पता लगाएगी सरकार, पट्टा लेकर दूसरे को बेचना, व्यावसायिक उपयोग करना या अवैध रूप से आधिपत्य में रखने वालों के विरुद्ध होगी कार्रवाई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार नगरीय निकायों में शासकीय भूमि पर आवास बनाकर अवैध रूप से रह रहे व्यक्तियों को आवासीय पट्टे देने जा रही है। इसके साथ ही सर्वे कराकर उन व्यक्तियों की पहचान की जा रही है, जिन्होंने आवास बनाने के लिए पट्टा लिया और दूसरे को बेच दिया या फिर उसका व्यावसायिक उपयोग कर रहे हैं। ऐसे व्यक्तियों के पट्टा निरस्त करने के साथ ही कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री कार्यालय और नगरीय विकास एवं आवास विभाग को यह शिकायतें मिली हैं कि नगरीय क्षेत्रों में आवास बनाने के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने जो पट्टे दिए थे, उनका दुरुपयोग किया गया है। जिस व्यक्ति को पट्टा दिया गया था, उसने या तो उसे बेच दिया या फिर किराए पर दे दिया।

एक व्यक्ति के नाम पर एक से अधिक पट्टा होने की बात भी सामने आई है। इसे देखते हुए विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई ने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि वे पट्टे के भूमि पर अवैध रूप से काबिज या उसका दुरुपयोग करने वालों की जांच करें। अभिलेख एकत्र करके सक्षम न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत करने की कार्यवाही प्रारंभ करें। उल्लेखनीय है कि सरकार ने 30 दिसंबर 2020 तक नगरीय क्षेत्र में शासकीय भूमि पर काबिज व्यक्तियों को आवासीय पट्टे देने का निर्णय लिया है। इसके लिए सर्वे का काम चल रहा है, जो जून में पूरा होगा और 31 जुलाई तक पट्टे वितरित कर दिए जाएंगे।

केन्द्रीय रेल व कपड़ा राज्य मंत्री ने किए महाकाल दर्शन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। केंद्रीय रेल व कपड़ा राज्यमंत्री दर्शना जरदोश को महाकाल मंदिर में आगमन हुआ था। इस दौरान उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में भगवान महाकाल का पूजन,अभिषेक किया। इसके पश्चात मंदिर परिसर में स्थित अन्य मंदिरों में भी दर्शन कर पूजा अर्चना की। पूजन पं.यश गुरु ने विधि विधान से सम्पन्न कराया। केंद्रीय राज्यमंत्री ने दर्शन करने के बाद कुछ देर नंदी हॉल में बैठ कर भगवान महाकाल का ध्यान लगाया और बाद में मंदिर परिसर स्थित श्री सिद्धि विनायक गणेश मंदिर में भी दर्शन कर रक्षासूत्र बंधवाया। इस अवसर पर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक संदीप सोनी व सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने केंद्रीय राज्यमंत्री को भगवान श्री महाकाल का प्रसाद, तस्वीर और दुपट्टा भेंटकर सम्मान किया। दर्शन के बाद में वे इंदौर के लिए रवाना हुईं।

पूणे-मुम्बई के लिए नई ट्रेन की मांग की-

केन्द्रीय रेलवे एवं कपड़ा राज्य मंत्री दर्शना जरदोश के नगरागमन पर पश्चिम रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति के सदस्य खोजेमा भाई खंडवावाला ने सर्किट हाउस पर भेंट कर अभिनंदन किया गया। इस दौरान श्री खंडवावाला व सदस्यों ने मांग की कि उज्जैन में महाराष्ट्र से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या निरंतर बढ़ रही हैं। इसको दृष्टिगत रख कर पूणे-मुंबई के लिए शीघ्र ही नई ट्रेन संचालित की जाएँ ताकि श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सके। इस अवसर पर जूजर पीठावाला भी उपस्थित थे।

‘प्यार में धोखा, इसलिए ठोका...’, पहले प्रेमिका के पिता को मारी गोली

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

शाजापुर। मध्यप्रदेश के शाजापुर जिले में पुलिस कॉन्स्टेबल की प्रेम कहानी का दर्दनाक अंत हो गयाहै। कॉन्स्टेबल रविवार-सोमवार की दरमियानी रात बेरछा थाने से कुछ ही दूरी पर स्थित प्रेमिका के घर पहुंचा। यहां उसने प्रेमिका शिवानी और उसके पिता जाकिर पर देशी रिवॉल्वर से गोली चला दी। प्रेमिका का भाई भी विवाद में मामूली घायल हुआ है।

इधर, रात में गोलीबारी करने के बाद आरोपी कॉन्स्टेबल ने घटनास्थल से करीब चार किमी दूर रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कटकर जान दे दी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार देवास जिले में पदस्थ पुलिसकर्मी सुभाष खराड़े का बेरछा निवासी युवती से प्रेम प्रसंग था। रविवार-सोमवार की रात वह बेरछा आया और फोल्डिंग सीढ़ी से घर की पहली मंजिल पर पहुंचा। यहां युवती के परिजनों से उसका विवाद हुआ। तैश में आकर सुभाष ने प्रेमिका, उसके पिता और भाई पर गोली चला दी। गोलीबारी में घायल प्रेमिका के पिता की मौत हो गई। वहीं युवती की हालत भी गंभीर है। गोली चलाने के बाद सुभाष वहां से भाग गया। थोड़ी देर बाद उसने सोशल मीडिया पर युवती के साथ अपनी तस्वीरें अपलोड कीं। इसमें उसने लिखा- प्यार में धोखा, इसलिए ठोका। उस को तो ऐसा दर्द दिया है जो जिंदगी भर याद रखेगी। उसकी यह पोस्ट काफी वायरल हो रही है। मामले में आरोपी प्रेमी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी थी। इसी बीच सोमवार सुबह पुलिस को रेलवे ट्रैक के पास एक शव पड़े होने की जानकारी मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो शव आरोपी कॉन्स्टेबल का निकला।सुभाष पिछले दो साल से देवास में डीएसपी किरण शर्मा का ड्राइवर था। मूल रूप से धार निवासी आरक्षक के पिता भी पुलिस विभाग में थे और वह कई वर्ष तक बेरछा थाने में पदस्थ रहे। कोरोना काल में सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई थी। कॉन्स्टेबल भी पहले बेरछा में ही रहता था। तभी से उसकी युवती से पहचान थी। दोनों के बीच कई साल से प्रेम प्रसंग भी था।शाजापुर के एसपी यशपाल सिंह राजपूत ने बताया कि बेरछा में प्रेम प्रसंग में युवक द्वारा प्रेमिका और उसके पिता को गोली मारने का मामला सामने आया है। गोली लगने से प्रेमिका के पिता की मौत हो गई, जबकि युवती का उपचार चल रहा है। वहीं सोमवार तड़के आरोपी का शव भी रेलवे ट्रैक पर मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बच्चे के सिर में लगी गोली : हर्ष फायरिंग के दौरान हादसा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

डबरा। मध्यप्रदेश में शादी समारोह में हर्ष फायरिंग से एक बच्चे की जान खतरे में पड़ गई। बच्चे के सिर में गोली लगने से वह घायल हो गया। गंभीर हालत में उसे ग्वालियर के जयारोग्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर आरोपी मौका देखकर फरार हो गया। मामला डबरा पिछोर थाना क्षेत्र के रावतपुरा कस्बे के अंबेडकर पार्क में रविवार रात का है। 12 वर्षीय सरल जाटव निवासी मुरैना 6वीं क्लास का छात्र है। वह नाना रमेश जाटव के साथ उनके साले मनोज जाटव की शादी में आया था।

बंदूक लोड करते ही चली गोली- पवन ने हर्ष फायर के उद्देश से बंदूक निकाली। वह बंदूक को लोड कर रहा था कि अचानक बंदूक चल गई। गोली की आवाज सुन वहां बैठे लोग बचने के लिए अपनी जगह से हट गए। तभी कुछ लोगों की नजर सरल पर गई। वह अपनी कुर्सी से गिर चुका था। लोगों ने उसे उठाया, तो देखा कि सिर से खून निकल रहा था। वह बेसुध था। यह देख आरोपी वहां से भाग गया।

गुजारा भत्ता केस में मप्र हाईकोर्ट से महिला को झटका

‘शादी की रस्में करने से पति-पत्नी का दर्जा नहीं मिल जाता’

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने एक फैमिली कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें एक महिला के पति को, जिससे उसने अपने पहले पति को छोड़ने के बाद शादी की थी। उसे फैमिली कोर्ट ने 10 हजार रुपए का मासिक रख रखाव भत्ता देने के लिए कहा था। बाद में यह पता चला कि महिला ने अपने पहले पति को कानूनी रूप से तलाक ही नहीं दिया है। इस तरह वह कानूनी रूप से दूसरे आदमी की पत्नी नहीं हो सकती है। जस्टिस राजेंद्र कुमार वर्मा की बेंच ने फैमिली कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया है।

साथ ही हाईकोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति के साथ विवाह की रस्में करने से जरूरी नहीं कि व्यक्ति को पत्नी या पति का दर्जा मिल जाए। हालांकि, उन्होंने महिला को सक्षम अदालत में डीवी अधिनियम की धारा 22 के तहत एक अलग दावा दायर करने की स्वतंत्रता दी है। याचिकाकर्ता भगवान दास ने अपनी याचिका में कहा कि सिंगरौली की एक पारिवारिक अदालत ने उन्हें सीआरपीसी की धारा 125 के तहत अपनी पत्नी को 10000 रुपए देने का आदेश दिया था। याचिकाकर्ता ने महिल पनपति से 29 मार्च 2017 को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में विवाह किया था। वह 11 अगस्त 2017 को उसे छोड़कर चली गई थी। मामले की सुनवाई के दौरान उन्होंने कोर्ट को बताया कि पनपति की पहली शादी सुशील कुमार गुप्ता से साल 2006-2007 में हुई थी। कुछ वैवाहिक विवाद के कारण उसने शादी के पांच-छह साल बाद उसे छोड़ दिया लेकिन उसने औपचारिक रूप से उसे तलाक नहीं दिया। बिना तलाक के दूसरी शादी कानूनी नहीं है और इस तरह वह भरण-पोषण भत्ते की हकदार नहीं है, उन्होंने तर्क दिया। हालांकि, महिला ने अदालत को बताया कि आपसी सहमति से तलाक के बाद उसने अपने पहले पति को छोड़ दिया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि केवल अदालत को हिंदू विवाह अधिनियम के तहत तलाक देने का अधिकार है। चूंकि महिला ने अपने पहले पति से तलाक नहीं लिया था, इसलिए वह अपने दूसरे पति से गुजारा भत्ता पाने की हकदार नहीं है क्योंकि उनका विवाह अवैध है।

MORARI BAPU

सन्यास का मतलब सबसे भिन्न हो जाना नहीं... सबसे अभिन्न हो जाना है।
(मानस बुद्धत्व)

सत्य-प्रेम-करुणा...

साभार - Chitrakutdham Talgajarda

व्यक्तित्व विशेष

अन्नाराम सुदामा

(अंग्रेज़ी:Annaram Sudama जन्मः 23 मई, 1923 मृत्युः 2 जनवरी, 2014)

राजस्थानी भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार थे। सुदामा ने राजस्थानी एवं हिन्दी में उपन्यास, कहानी, कविता, नाटक, निबंध, यात्रा संस्मरण, बाल साहित्य और अन्य विधाओं में 25 पुस्तकें लिखी है। इनका साहित्य अन्नाराम सुदामा समग्र के नाम से सात खण्डों में प्रकाशित किया जा रहा है। अकादमियों और संस्थाओं की ओर से इन्हें 11 पुरस्कार मिले हैं। उनकी साहित्यक रचनाएं विभिन्न विश्वविद्यालयों के पाठयक्रम में शामिल की गई है। इनकी सबसे प्रमुख रचना 'मेवे रा रुंख' है जिसके लिये इनको साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला।

संपादकीय

फिर भी खराब हो रही नदी

लगभग तीन साल पहले यह खबर आई थी कि सरकार 2022 तक गंगा नदी में गंदे नालों के पानी को गिरने से पूरी तरह रोक देगी और इस मसले पर एक मिशन की तरह काम चल रहा है। लेकिन हकीकत यह है कि इसके एक साल बाद चौबीस सौ से ज्यादा नाले चिह्नित किए गए हैं, जिनकी गंदगी और कचरे से गंगा का जीवन धीरे-धीरे छीज रहा है। सरकार नदी किनारे स्थित चार हजार गांवों से निकलने वाले लगभग चौबीस सौ नालों को चिह्नित करके इनकी 'जियो टैगिंग करेगी। सरकार इनसे ठोस कचरा प्रवाहित होने से रोकने के लिए एक उपकरण 'एरेस्टर स्क्रीन लगाएगी। यह गंगा नदी में अलग-अलग वजहों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के अलावा किया जा रहा उपाय है। अब यह उम्मीद की जा सकती है कि इसके जरिए मानव-सभ्यता के लिए एक बेहद जरूरी नदी में फिर से जीवन भर सकेगा। हालांकि यह अपने आप में एक सवाल होना चाहिए गंगा नदी को स्वच्छ बनाने के लिए दशकों से लागू गंगा कार्ययोजना या नमामि गंगे जैसे महत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम और अन्य नीतियों के बावजूद आज भी इतनी बड़ी तादाद में ठोस कचरा या अन्य तरह की गंदगी बहाने वाले नालों पर कैसे रोक नहीं लग सकी। गौरतलब है कि गंगा नदी पर अधिकार संपन्न कार्यबल यानी ईटीएफ की पिछले महीने हुई ग्यारहवीं बैठक में यह जानकारी भी सामने आई कि उत्तरकाशी में सुरंग के निर्माण के कारण इसके मलबे को गंगा नदी के किनारे डाल दिया गया। इससे नदी के जल में ठोस कचरा का स्तर बढ़ गया। इससे जलमल शोधन संयंत्रों में गंदे पानी का शोधन करने में समस्याएं आ रही हैं। हैरानी की बात यह है कि करीब साढ़े तीन दशक से गंगा कार्ययोजना सहित अन्य तमाम कार्यक्रमों जैसे अभियानों के बीच क्या गंगा को प्रदूषित करने वाला यह कोई नया कारक खोजा गया है? अगर नहीं, तो इस समस्या को चिह्नित करने में इतना लंबा वक्त कैसे लग गया? यह समझना मुश्किल नहीं है कि समस्या शायद योजनाओं या कार्यक्रमों नहीं होगी, उनके अमल में बरती गई लापरवाही या फिर गड़बड़ियों की वजह से किसी बड़ी और बेहद महत्त्वपूर्ण पहलकदमी का भी हासिल शून्य हो जा सकता है। सरकार की ओर से घोषणाएं करने में शायद ही कभी कमी की जाती है, मगर उन पर अमल को लेकर कहां चूक या लापरवाही बरती जा रही है, इस पर गौर करना कभी जरूरी नहीं समझा जाता।

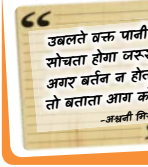

Quote...

"उबलते वक्त पानी
सोचता होगा जरूर
अगर बर्तन न होता
तो बताता आग को!
-अश्वनी मित्तल"

Health is Wealth

तेज धूप और गर्मी से होता है माइग्रेन, बचाव के लिए यूं रखें खुद का ख्याल

माइग्रेन एक कॉमन न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम है। रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं में ये काफी कॉमन है। रिपोर्ट्स की मानें तो ये एक ऐसा सिरदर्द है जो 4 घंटे से लेकर 72 घंटों तक रह सकता है। इस परेशानी के दौरान व्यक्ति को उल्टी, थकान, ज्यादा रौशनी और ज्यादा आवाज से परेशानी हो सकती है। गर्मी के मौसम में ये परेशानी बढ़ सकती है। गर्मी, डिहाईड्रेशन, तेज रौशनी, कम नींद के कारण गर्मियों के मौसम में माइग्रेन ट्रिगर हो सकता है हालांकि, इससे बचाव के लिए आप कुछ आसान तरीकों को अपना सकते हैं। जानिए-

गर्मियों में माइग्रेन से कैसे करें बचाव

- गर्मी के मौसम में माइग्रेन से बचे रहने के लिए खुद को हाइड्रेटेड रखें। इसके लिए अपने साथ एक पानी की बोतल रख सकते हैं। दिन भर 3 से 4 लीटर पानी पीना जरूरी है।
- माइग्रेन से बचे रहने के लिए अपने रूटीन को सही रखें। खाने और सोने की टाइमिंग का सही होना जरूरी है। अगर आप कही छुट्टियों के लिए बाहर जा रहे हैं तो भी अपने खाने का पूरा ख्याल रखें।
- इससे बचने के लिए अपनी डायट का भी पूरा ख्याल रखें। इसके लिए कॉफी, रेड वाइन, चॉकलेट, चीज, फ्रेश फल और सब्जियों को खाएं। खीरा, तरबूज, जैसे फलों को डायट में जरूर शामिल करें।
- अगर धूप में कही बाहर निकल रहे हैं तो अपने सिर को किसी टोपी या फिर रूमाल से कवर करें। इसी के साथ आंखों पर धूप का चश्मा भी लगाएं। खूब रौशनी के कारण भी माइग्रेन ट्रिगर हो सकता है।
- काम के साथ ही रिलैक्स करना बेहद जरूरी है। अगर आप काम पर हैं तो अपने काम को पूरी तरह से मैनेज करें। समय-समय पर ब्रेक लेते रहें।

माइग्रेन का दर्द होने पर क्या करें

- अगर आपको माइग्रेन का दर्द हो रहा है तो सबसे पहले किसी शांत कमरे में जाएं और फिर कुछ देर के लिए अंधेरे में रिलैक्स करें। इसी के साथ खुद को हाइड्रेट करने के लिए एक गिलास पानी पीएं। अगर आप इसके लिए कोई दवाई खाते हैं तो उसे भी खा लें।

Highlights

1. Process to exchange or deposit 2,000 notes at banks begins today
2. Petrol pump workers take out petrol from scooty after man gives 2,000 note in UP
3. 170 Indian-origin people charter flight in Australia to attend PM Modi's event
4. Why has the Sun been blood red across US recently?
5. Imran Khan gets luxury tax notice of PKR 14 lakh for Lahore home
6. Truck crashes into security barriers near White House

RBI to reintroduce ₹1,000 currency notes? Governor Shaktikanta Das responds

NEW DEIHI, (Agency). Reserve Bank of India governor Shaktikanta Das on Monday made it clear that there was no plan to reintroduce ₹1,000 currency notes. Addressing the media about the RBI's recent decision to withdraw ₹2,000 currency notes and said the impact of the move will be "very very marginal" on the economy because it accounts for only 10.8 per cent of the currency in circulation.

When asked about the potential reintroduction of ₹1,000 currency notes, Das responded, "That's speculative. There's currently no proposal for such a measure."

Also Read | How to exchange your ₹2,000 notes after RBI scraps circulation: All FAQs answered

He emphasised that the current denominations of ₹500 and ₹100 are abundant and readily accessible to the public, alleviating any apprehensions about the central bank's ability to manage without the highest-valued currency in India.

The governor highlighted the ample quantity of printed notes already present within the system, stressing their availability not only with the RBI but also at the currency chests

managed by banks.

Das reiterated that ₹2,000 notes will retain their legal tender status even after the central bank's decision to withdraw them from circulation. He also urged the public not to create a rush at bank branches, expressing his belief that there is no need for people to hastily visit banks.

2,000 notes withdrawal: What did RBI governor say on impact?

The RBI governor said the introduction of ₹2,000 bank notes aimed primarily at replenishing the notes withdrawn during demonetisation has served its purpose.

Further answering the questions arising on what will be the impact of the move, he said, "There will be no impact on economic activity." He cited personal experience and informal surveys that reveal the limited usage of ₹2,000 notes in economic transactions.

News agency PTI reported that 89 per cent of the ₹2,000 denomination banknotes were issued before March 2017 and have reached the end of their estimated lifespan of four to five years.

The total value of these banknotes in circulation has significantly decreased from its peak of ₹6.73 lakh crore on March 31, 2018, (accounting for 37.3 per cent of the notes in circulation) to ₹3.62 lakh crore, constituting a mere 10.8 per cent of the Notes in Circulation as of March 31, 2023, the report further said.

After 35% stock rally this year, Apple's mega goal - $3 trillion in market cap

NEW DEIHI, (Agency). The stock has soared 35% this year, adding nearly $690 billion in market value, as investors have flocked to the iPhone maker's steady revenue and massive cash flows. The advance has put Apple within striking distance of its January 2022 record.

"In my career, I never envisioned a company of this size, but then I never envisioned a company capable of generating more than $100 billion in free cash flow in a year," said Patrick Burton, a portfolio manager of the MainStay

Winslow Large Cap Growth Fund, which owns nearly 4.5 million shares of the Cupertino, California-based firm, as of the latest data. "When you look at the underlying metrics, it's understandable why Apple has done so well."

Apple and other technology behemoths have been market standouts this year as investors have gravitated to companies with the biggest scale while staring down risks from a potential recession, bank failures and now a US debt-ceiling standoff. It's a favorite stock for institutional investors, hedge funds, retail investors, and Warren Buffett.

The stellar performance has, however, led to an increased debate around Apple's valuation. At 28 times projected earnings, the stock is in rarefied air for a technology firm whose revenue is expected to shrink this year, trading at a premium to its own history, as well as the market, according to data compiled by Bloomberg.

While Apple briefly rose above $3 trillion in early 2022, it failed to close above that level, and the peak marked the start of a downtrend that resulted in a 27% drop that year as investors fled tech stocks amid soaring interest rates. Should Apple achieve the milestone, it would be the first to do so. Currently, at $2.76 trillion, it is bigger than the entire Russell 2000 index.

Chhattisgarh,

मां ने 5 दिन के बेटे को फांसी पर लटकाया : फिर खुद भी दे दी जान; सात माह में हुआ तो पति ने भूत कहकर निकाला घर से

जशपुर, (एजेंसी) छत्तीसगढ़ के जशपुर में एक महिला ने अपने पांच दिन के बेटे को फांसी पर लटकाकर मार डाला। इसके बाद खुद भी उसी रस्सी से फंदा बनाकर जान दे दी। दोनों के शव सोमवार को एक ही साथ पेड़ से लटके हुए मिले हैं। बताया जा रहा है कि पति ने विवाद होने के बाद मां-बेटे को एक दिन पहले ही घर से निकाल दिया था। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शवों को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हालांकि पति ने महिला को मानसिक रूप से बीमार बताया है। मामला बगीचा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक चरकूराम नागवंशी की शादी मुन्नी बाई (28) से हुई थी। इसके बाद वह अपनी ससुराल घुघरी में रहता था और मजदूरी करता था। बताया जा रहा है कि रविवार शाम को जब वह काम से लौटा तो पति-पत्नी के बीच खाने को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद मुन्नी बाई अपने पांच दिन के बेटे को लेकर घर से निकल गई। इसके बाद से उसका कुछ पता नहीं था। अगले दिन सोमवार को गांव वालों ने दोनों के शवों को एक ही रस्सी के सहारे पेड़ से लटका देखा तो सूचना दी। वहीं दूसरी ओर यह भी कहा जा रहा है कि, महिला का बच्चा सात माह में ही हो गया था। इसके कारण पति उसे भूत का बच्चा कहता था। रविवार को भी दोनों के बीच इसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। इसके बाद पति ने महिला और बच्चे को मारपीट कर घर से निकाल दिया।

Bihar

साधु-संत के भेष में घूमने वाले आतंकवादी, स्वामी प्रसाद के बयान से फिर मचेगा बवाल?

गाजीपुर, (एजेंसी) अक्सर विवादित बयानों से चर्चा में रहने वाले सपा नेता और पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर विवादित बयान दे डाला। साधु-संतों को लेकर दिए गए स्वामी का ये बयान सियासत में भूचाल ला सकता है। साधु-संतों पर हमलावर हुए स्वामी ने कहा, रामचरितमानस को लेकर बयान देने के बाद उनकी हत्या करने के लिए साजिश रची गई थी। इतना ही नहीं उनकी चीभ, हाथ और सिर काटकर लाने वालों को इनाम देने की भी घोषणा की गई थी। स्वामी ने कहा, उनका सिर काटकर लाने वालों को 21 लाख, 51 लाख और 51 करोड़ रुपये का इनाम देने तक का ऐलान किया गया। उन्होंने कहा, इस तरह की घोषणा करने वाले लोग संत नहीं, गेरुआ वस्त्र पहनने वाले आतंकवादी चेहरे हैं। स्वामी ने आगे कहा, देश संविधान से चलेगा किसी बाबा के बयान से नहीं। गाजीपुर के राम प्रसाद कुशवाहा स्मारक इंटर कॉलेज छावनी लाइन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए स्वामी प्रसाद ने कहा, जब रामचरित मानस की कुछ चौपाई पर आपत्ति जताई तो उन्हें जान से मारने की धमकियां मिलने लगीं। उन्होंने कहा, धर्म की आड़ में किसी को नींच नहीं कहा जा सकता। इस दौरान स्वामी ने एक ट्वीट भी किया, जिसमें लिखा, हिंदू राष्ट्र की मांग करने वाले लोग, राष्ट्र के दुश्मन व संविधान विरोधी हैं क्योंकि हिंदू राष्ट्र की मांग से जहाँ एक ओर देश के बंटवारे का फिर से बीज बो रहें हैं, वहीं दूसरी ओर संविधान विरोधी बात कर संविधान का अपमान भी कर रहें हैं। ऐसे लोगों से देश की जनता को सावधान रहना है। गाजीपुर में आयोजित कार्यक्रम में मीडिया से बातचीत के दौरान स्वामी प्रसाद मौर्य बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर बाबा धीरेंद्र शास्त्री पर भी भड़क गए।

New Delhi

मणिपुर की राजधानी इंफाल में फिर भड़की हिंसा, दोबारा लगा कर्फ्यू; सेना भी लौटी

नई दिल्ली, (एजेंसी) देश के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर की राजधानी इंफाल में फिर से हिंसा भड़क उठी है। स्थिति को देखते हुए शहर में दोबारा कर्फ्यू लगा दिया गया है और सेना को वापस बुला लिया गया है। हिंसा प्रभावित शहर में कई दिनों की शांति के बाद आज सोमवार की दोपहर फिर से दोनों समुदायों में संघर्ष देखने को मिला। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि राज्य की राजधानी इंफाल के न्यू चेकॉन इलाके में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच सोमवार की दोपहर मारपीट हुई। स्थानीय बाजार में एक जगह को लेकर दोनों समुदायों के बीच झड़प शुरू हुई जिसने देखते ही देखते भीषण रूप ले लिया। इलाके में आगजनी होने लगी। ऐसी खबरें आने के बाद प्रशासन ने राजधानी में कर्फ्यू घोषित कर दिया है। बता दें कि मणिपुर एक महीने से अधिक समय से कई मुद्दों के कारण जातीय संघर्षों झेल रहा है। इसी महीने की शुरुआत में पहाड़ी राज्य में तब झड़पें शुरू हुई थीं, जब आदिवासियों ने अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के विरोध में 3 मई को एकजुटता मार्च निकाला था।

Maharashtra

3 हमलावर, 19 सेकंड और 29 वार... नागपुर में दिनदहाड़े पेट्रोल पंप मालिक का सनसनीखेज मर्डर

नागपुर, (एजेंसी) महाराष्ट्र के नागपुर से दिल दहला देने वाली घटना का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में तीन लोगों ने मिलकर पेट्रोल पंप के मालि कर पर 19 सेकंड में 29 बार चाकू से वार किया। हमले में पेट्रोल पंप के मालिक की मौत हो गई. साथ ही करीब एक लाख 34 हजार रुपये लूटकर अपराधी फरार हो गए. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. साथ ही मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुट गई. मामला भिवापुर नागभीड़ रोड पर स्थित भारत पेट्रोल पंप का है. जानकारी के मुताबिक, इसके मालिक दिलीप राजेश्वर सोनटक्के नागपुर के ही रहने वाले थे. 17 मई की सुबह करीब 10 बजे दिलीप पेट्रोल पंप के ऑफिस में बैठे थे. इस दौरान वह पिछली रात तक बेचे गए पेट्रोल के रुपयों का हिसाब कर रहे थे. तभी एक बाइक पर तीन नकाबपोश बदमाश पहुंचे और सीधे ऑफिस में घुस गए. फिर एक आरोपी ने दिलीप राजेश्वर के पेट पर चाकू से वार करना शुरू कर दिया.

खेल

IPL 2023: प्लेऑफ में आईपीएल की दो सबसे सफल टीम

धोनी-रोहित के सामने होगी हार्दिक और क्रुणाल पांड्या की परीक्षा

नई दिल्ली, (एजेंसी) आईपीएल का लीग राउंड समाप्त हो चुका है। 70 मैचों के बाद इस बात का खुलासा हुआ कि प्लेऑफ में कौन-सी चार टीमें होंगी। गुजरात टाइटंस ने रविवार (21 मई) को लीग राउंड के आखिरी मैच में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को हरा दिया। आरसीबी की हार के बाद मुंबई इंडियंस को जगह मिल गई। उससे पहले गुजरात टाइटंस, चेन्नई सुपरकिंग्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीमें पहले ही प्लेऑफ में पहुंच चुकी थीं।

गुजरात की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर रही। चेन्नई दूसरे, लखनऊ तीसरे और मुंबई चौथे पायदान पर रही। इस तरह क्वालिफायर-1 में गुजरात का मुकाबला चेन्नई से होगा। वहीं, एलिमिनेटर में लखनऊ के सामने मुंबई की चुनौती होगी। गुजरात पिछली बार राजस्थान रॉयल्स को हराकर चैंपियन बनी थी। मुंबई पांच और चेन्नई चार बार चैंपियन बन चुकी है। लखनऊ की टीम पिछली बार एलिमिनेटर में हार गई थी।

पहली बार दो भाई कप्तान

चेन्नई की कप्तानी दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी के पास है। वहीं, मुंबई की कमान अनुभवी रोहित शर्मा के हाथों में है। बाकी बची दो टीमों की कमान दो भाईयों के हाथों में है। गुजरात के कप्तान हार्दिक पांड्या और लखनऊ के क्रुणाल पांड्या हैं। क्रुणाल को केएल राहुल के चोटिल होने पर टीम का कार्यवाहक कप्तान बनाया गया था। उन्होंने टीम को लीग राउंड के आखिरी दौर में जीत दिलाई और प्लेऑफ में पहुंचा दिया। आईपीएल इतिहास में पहली बार दो भाई एक ही सीजन में कप्तान हैं।

गुरु धोनी को हराने उतरेंगे हार्दिक

सबसे पहले बात हार्दिक की करते हैं। वह धोनी को अपना मेंटर मानते हैं। उन्होंने कई बार कहा कि वह कप्तानी के गुर धोनी से सीखते हैं और उन्हीं को फॉलो करते हैं। हार्दिक प्लेऑफ में पहली बार चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ कप्तानी करेंगे। पिछली बार उन्होंने दो मुकाबलों राजस्थान का सामना किया था और दोनों जीता था। अपने गुरु के सामने हार्दिक एक बार फिर खुद को साबित करने उतरेंगे।

सिनेमा

एक्टर आदित्य सिंह राजपूत की संदिग्ध हालत में मौत, ड्रग्स के ओवरडोज की आशंका

एक्टर और मॉडल आदित्य सिंह राजपूत की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। 22 मई की दोपहर को उनके घर के बाथरूम में शव मिला। उनके दोस्त ने उन्हें घर में मृत पाया। आदित्य के दोस्त और बिल्डिंग के सिक्योरिटी गार्ड उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले गए। जहां पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि आदित्य की मौत ड्रग्स के ओवरडोज से होने की आशंका है। एक्टर के इंस्टाग्राम स्टोरीज से पता चलता है कि वह पिछली रात दोस्तों के साथ पार्टी कर रहे थे।

आदित्य मुंबई के अंधेरी में रहते थे। वह एक्टिंग और मॉडलिंग के साथ-साथ कास्टिंग कॉर्डिनेटर भी थे। उन्होंने कई ब्रांड्स के लिए भी काम किया है। उन्होंने करीब 300 विज्ञापन फिल्मों में काम किया। आदित्य की अचानक मौत से उनके जानने वाले हैरान हैं।

आदित्य ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की। वह दिल्ली के रहने वाले थे। उनकी मुख्य फिल्मों में 'क्रांतिवीर' और 'मैंने गांधी को नहीं मारा' है। इसके अलावा आदित्य ने 'एमटीवी स्प्लिट्सविला 9' में हिस्सा लिया था। उन्होंने 'लव आशिकी', 'कोड रेड', 'आवाज सीजन 9' और 'बैड ब्वॉय सीजन 4' सहित अन्य शोज में काम किया।

बारदान गोदाम में लगी आग, 90 हजार लीटर पानी से पाया काबू

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। छावनी इलाके में बने एक बारदान गोदाम में मंगलवार तड़के आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप ले लिया और पूरा गोदाम चपेट में आ गया। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत कर 90 हजार लीटर पानी से आग पर काबू पाया जा सका।

जानकारी के अनुसार फायर ब्रिगेड को रात में सूचना मिलते ही उप निरीक्षक सुशील दुबे के नेतृत्व में दमकल कर्मियों को भेजा गया । दुबे के मुताबिक आग फैल चुकी थी। तड़के करीब साढ़े तीन बजे सूचना मिली थी कि छावनी स्थित बारदान गोदाम में आग लगी है। इस पर तत्काल एएसआई श्री दुबे के साथ फायर फाइटर वाहनों के साथ दमकलकर्मियों को मौके पर रवाना किया गया। फायर ब्रिगेड के कर्मियों ने आते ही चारों ओर से पानी की बौछार कर आग बुझाना शुरू किया, लेकिन बारदानों में आग लगी होने के कारण वह तेजी से भड़क रही थी, जिसके चलते आग बुझाने में कड़ी मशक्कत करना पड़ी। श्री दुबे के मुताबिक करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद 90 हजार लीटर पानी का उपयोग कर आग पर काबू पाया गया।

महिला की आत्महत्या में पति और सास फंसे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। दहेज प्रताडऩा से तंग आकर महिला द्वारा की गई आत्महत्या के मामले में पति और सास के खिलाफ चंदननगर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार प्रगति शर्मा 25 साल निवासी नंदन नगर ने 28 अप्रैल को जहर खाकर सुसाइड कर लिया था। टीआई सुनील शर्मा के मुताबिक जांच पड़ताल में पता चला कि प्रगति को दहेज लाने के लिए पति मुकुंद शर्मा और सास अनीता शर्मा आए दिन प्रताड़ित करते थे इसी के चलते उसने यह कदम उठाया था। पुलिस ने दोनों के खिलाफ धारा 498 और 306 का प्रकरण दर्ज किया है। इसी प्रकार फरियादी विजेता चौधरी 28 साल निवासी भोलाराम उस्ताद मार्ग की रिपोर्ट पर पति राजेंद्र चौधरी सास हेमलता चौधरी ससुर रामचंद्र चौधरी आदि के खिलाफ दहेज प्रताडऩा की धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक फरियादी विजेता चौधरी को मायके से 10 लाख रुपए लाने के लिए प्रताड़ित कर रहे थे।

किशोरी से सरेराह छेड़छाड़

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शांति नगर मूसाखेड़ी में रहने वाली किशोरी ने पुलिस को बताया कि वह सुबह दूध लेने जा रही थी तभी रास्ते में कैलाश चौहान ने रोका व छेड़छाड़ करने लगा शोर मचाया तो धमकी देकर भाग गया । पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

युवती से दुष्कर्म, गर्भपात कराया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एक युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया और कई बार संबंध बना लिए। जब वह गर्भवती हुई तो उसका गर्भपात भी करा दिया। बाद में जब युवती ने शादी का दबाव बनाया तो मारपीट कर धमकाया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

मामला लसूडिय़ा थान क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार 23 वर्षीय युवती की शिकायत पर रक्षित पिता राकेश 25 साल निवासी कनाडिया के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़िता अपने परिजन के साथ थाने पहुंची और टीआई संतोष दूधी को बताया कि 1 सितंबर 2022 को रक्षित सिंह से दोस्ती हुई थी। यह दोस्ती प्यार में बदल गई । रक्षित सिंह ने स्कीम नंबर 78 में स्त्री होटल अर्बन ही लाइट में बुलाकर कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। जिसके कारण गर्भवती हो गई।

पीड़िता ने शादी का दबाव बनाया तो रक्षित सिंह ने कहा की पहले गर्भपात करा देता हूं फिर हम दोनों शादी कर लेंगे क्योंकि शादी के पहले गर्भवती को देखकर मेरे परिजन शादी नहीं करेंगे मैं उसकी बातों में आ गई और उसने मेरा गर्भपात करवा दिया। फिर मैंने शादी का दबाव बनाया तो उसने बेरहमी से मारपीट की और शादी करने से इनकार कर दिया तथा कहा कि अगर घटना की जानकारी परिजन या पुलिस को दी तो जान से मार दूंगा।

सीनियर सिटीजनों को मोतियाबिंद ऑपरेशन की सुविधा भी

इंदौर। नगर सुरक्षा समिति ने सीनियर सिटीजनों के लिए कई सुविधाएं उपलब्ध करवाई हैं। उन्हें सीनियर सिटीजन का ग्रुप मे बर बनाने के बाद फोन नंबर,घर का पता आदि जानकारी ली जाती है और समय पडऩे पर उनकी हर सहायता की जाती है। इन सुविधाओं में अब मोतियाबिंद का निशुल्क आपरेशन करने की सुविधा भी बढा दी गई है। पुलिस कमिश्नर मकरंद देऊस्कर के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त मनीषा पाठक सोनी की पहल के परिणाम स्वरूप शंकरा आई सेंटर के डॉक्टर ऋतुराज शर्मा के बीच एक एमओयू साइन हुआ है इसमें सीनियर सिटीजन को विशेष सुविधा मिलेगी । यदि कोई सीनियर सिटीजन मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने का शुल्क अदा नहीं कर सकते हैं तो उन्हें निशुल्क आपरेशन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। नगर सुरक्षा समिति ने पुलिस अफसरों का आभार मानते हुए शंकरा आई सेंटर के डाक्टर को भी धन्यवाद दिया है। सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत एवं नगर सुरक्षा समिति के जिला संयोजक रमेश चंद्र शर्मा ,मनीष नायर तरणजीत सिंह छाबड़ा ,पुलिस उपायुक्त संयोजक जुगल किशोर गुर्जर पुलिस उपायुक्त संयोजक आदि एमओयू साइन करने के दौरान उपस्थित रहे।

वाहन चोरी के आरोपी पकड़ाए

● आरोपी पकड़ाया, 9 बाइक के साथ पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। भंवरकुआ पुलिस ने अभिनव नगर से बाइक चोरी की वारदात का केस दर्ज किया। बाइक चोरी के बाद फरियादी के पास फोन आया कि यदि वह 20 हजार रुपए दे देगा तो उसे उसकी बाइक वापस मिल जाएगी। फरियादी ने ये बात पुलिस को बता दी उसके बाद प्लानिंग कर आरोपी को पकड़ा तो खुलासा हुआ कि वह अपनी गर्लफ्रेंड पर पैसा खर्च करने के लिए अपने नाबालिग साथी के साथ बाइक चुराता था। आरोपी के पास से एक पिस्टल और जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं।

अभिनव नगर में वाहन चोरी की रिपोर्ट लिखाई। उसके बाद वाहन चोर द्वारा फरियादी से संपर्क किया कि यदि वह 20 हजार रू देगा तो हम बाइक वापस कर देंगे। बातचीत पर सौदा 15 हजार रू में तय हुआ। वाहन चोर ने अपनी गर्लफ्रेंड के खाते में 15 हजार रू डालने के बाद गाड़ी देने की बात कही। फोनपे पर पेमेंट करने के बाद आरोपी ने उसे जीराबाद जिला धार बुलाया। फरियादी ने ये बात पुलिस को बता दी।

पुलिस द्वारा हुलिए के आधार पर सादा वर्दी में पुलिस बल के साथ थाना बाग क्षेत्र में जाल बिछाया,जैसे ही बदमाश चोरी की गई गाड़ी देने आया उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। वाहन चोर की तलाशी लेने पर एक देशी पिस्टल 5 जिन्दा कारतूस बरामद किए। बदमाश की पहचान राजू पिता कुंवर सिंह जमरा ,बाग , धार हाल अभिनव नगर के रूप में हुई जो अपने नाबालिग साथी के साथ चौरी के वाहनों को टारगेट बनाने के लिए अपनी गर्लफ्रेंड के घर रात में रुककर वाहन चोरी की बारदात को अंजाम देता था। बदमाश से 7 बाइक बरामद की गई है। उससे अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

युवक का अपहरण कर हत्या कर फरार हुआ आरोपी पकड़ाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। महाराष्ट्र में एक युवक का अपहरण कर हत्या के बाद फरार हुए दो आरोपियों को क्राइम ब्रांच ने पकड़ा है। आरोपियों ने हत्या के बाद लाश को जंगल में फैंक दिया था और वहां से फरार होकर इंदौर आ गए थे। क्राइम ब्रांच की टीम को मुखबिर से पता चला था कि महाराष्ट्र के पुणे के थाना राजगढ़ में एक व्यक्ति का अपहरण कर उसकी हत्या के फरार आरोपी शहर में देखे गए हैं। महाराष्ट्र पुणे ग्रामीण के राजगढ़ थाना क्षेत्र में दो बदमाशों ने अपने अन्य दो साथियों के साथ मिलकर अजय अंकुश मांजरे की फोटो खींचने को लेकर उपजे विवाद में अपहरण कर उसकी पिस्टल से गोली मारकर,हथियारों से हमला कर हत्या कर दी थी। अजय मांजरे के घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने थाना राजगढ़ पर गुमशुदगी दर्ज कराई। बाद में अजय के भाई ने 19 मई 2023 को आरोपियों के खिलाफ अपहरण और हत्या का केस दर्ज करवाया था। पुणे ग्रामीण पुलिस द्वारा आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान इंदौर क्राइम ब्रांच को दो आरोपियों का सुराग मिला। टीम ने अपहरण-हत्या के फरार आरोपी सागर ली हण,ग्राम पारोड़ी ,पुणे ग्रामीण और दीपक जगताप ग्राम ताकड़ी रांझी,पुणे ग्रामीण को पकडकर महाराष्ट्र पुलिस के हवाले किया है। पुलिस ने शव बरामद करने के साथ ही पिस्टल और धारदार हथियार भी बरामद कर लिए हैं।

DGR
Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

दैनिक समाचार पत्र/न्यूज़ पोर्टल/न्यूज़ चैनल
Daily Newspaper
www.dgr.co.in
Worldwide News portal
www.detectivegroupreport.com
Worldwide Youtube channel
https://youtube.com/c/DETECTIVEGROUPREPORT

समाचार, विज्ञापन और समूह से जुड़ने के लिए संपर्क करें
+91 91110 30505
Email-: dgrnewsnetwork@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ■ समूह PRO - एल.एन. उग्र ■ फोन : 0731-2433667 ■*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।